प्रेस विज्ञप्ति

राज भवन, राँची

दिनांक : 20 मई, 2025 :-

(1) माननीय राज्यपाल-सह-झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद परिसर में स्व. बिनोद बिहारी महतो जी की प्रतिमा का अनावरण समारोह को संबोधित करते उनके योगदान का उल्लेख करते हुए उन्हें 'झारखण्ड की सामाजिक चेतना का अग्रदूत' बताया।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि यह प्रतिमा मात्र एक शिल्प नहीं, बल्कि संघर्ष, आत्मबल, और शिक्षा के माध्यम से समाज में बदलाव लाने वाले एक युगपुरुष के विचारों का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे इस प्रेरणास्रोत प्रतिमा से सतत सीख लेते रहें।

माननीय राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि यह संस्था विद्यार्थी-केंद्रित संवाद एवं पारदर्शी प्रशासन के आदर्श को साकार करे। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन

से छात्रों की समस्याओं के समाधान के लिए सरल, समयबद्ध और पारदर्शी व्यवस्था हेतु आह्वान किया।

राज्यपाल महोदय ने राज्य की उच्च शिक्षा व्यवस्था पर बोलते हुए स्पष्ट शब्दों में कहा कि "वर्तमान स्थिति से वे संतुष्ट नहीं है, लेकिन मैं इसमें सुधार हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध हूँ।" उन्होंने कहा कि रिक्त कुलपति पदों पर ससमय नियुक्तियाँ प्राथमिकता के साथ की जा रही हैं और जहाँ कार्यकाल समाप्ति निकट है, वहाँ नियुक्ति प्रक्रियाएँ समय से पहले आरंभ कर दी गई हैं।

माननीय राज्यपाल ने समारोह में उपस्थित राज्य के माननीय मुख्यमंत्री तथा उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री से आग्रह किया कि झारखण्ड लोक सेवा आयोग को शीघ्र नियुक्तियों के निर्देश दिए जाएँ ताकि शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मियों की आवश्यकतानुसार नियुक्ति की जा सके और विश्वविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण सृजित हो।

माननीय राज्यपाल ने यह भी कहा कि विश्वविद्यालयों को चाहिए कि वे छात्र, शिक्षक और प्रशासन के बीच मजबूत संवाद और समन्वय स्थापित करें। यदि सभी अपना दायित्व निष्ठापूर्वक निभाएँ और टीम भावना से कार्य करें, तो सुधार की राह आसान हो सकती है। उन्होंने उल्लेख किया कि वे निरंतर शिष्टमंडलों, शिक्षाविदों और

छात्र प्रतिनिधियों से सुझाव प्राप्त करते रहते हैं ताकि झारखण्ड को ज्ञान और कौशल का गढ़ बनाया जा सके।

राज्यपाल महोदय ने नवाचार और शोध पर बल देते हुए कहा कि विश्वविद्यालयों को ऐसी शोध परियोजनाएँ प्रोत्साहित करनी चाहिए जो सामाजिक सरोकार से जुड़ी हों और देश की प्रगति में सहायक बनें। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालयों को ऐसा वातावरण तैयार करना चाहिए कि यह अन्य राज्य के विद्यार्थियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनें। उन्होंने विश्वविद्यालयों से कहा कि वे प्रभावी प्लेसमेंट सेल बनाएं, उद्योगों से साझेदारी बढ़ाएँ और ऐसे प्रेरक वातावरण का निर्माण करें जिसमें गुरु-शिष्य संबंध और प्रगाढ़ हो तथा नवाचार को बढ़ावा मिले। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने का केंद्र नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन और चरित्र निर्माण का माध्यम होना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन, शिक्षकों, छात्रों और राज्य सरकार से आह्वान किया कि वे मिलकर झारखण्ड को एक सशक्त व आदर्श एजुकेशन हब में स्थापित करें।